

- Concessional Tickets Farmers

717. SHRI BALASAHEB VIKHE PATIL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether any concessions, like free or concessional tickets, have been given by the Railways to farmers who want to visit in groups to Research Stations, Dairy Farms, river valley projects, industries or historical places for getting technical know how;

(b) if so, what are the details of facilities given to them;

(c) what instructions Government have issued to different Railways in this regard; and

(d) the number of farmers who have availed of these facilities during the last two years (State-wise)?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) to (c). As per extent rules Kisans travelling in groups of twenty and above are allowed the facility of travel concession in Second Class for visiting country's river valley and other National Projects as also Research Centres and Agricultural Universities. This facility is also extended to them for visiting Industrial and Agricultural Exhibitions at the National level. The element of concession allowed is 25 per cent in the case of single journeys and 50 per cent in the case of return journeys.

(d) No such statistics is maintained by the Railways.

पूर्वोत्तर रेल मेरीन कर्मचारियों का सम्मेलन

718. श्री रामावतार शास्त्री : क्या रेल मंत्री :ह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पूर्वोत्तर रेल मजदूर संघ के तत्वावधान में 27 और 28 अप्रैल, 1981 को, मोकामेट्स घाट पर पूर्वोत्तर रेल मेरीन कर्मचारियों का एक सम्मेलन हुआ था ;

(ख) यदि हां, तो क्या उस सम्मेलन में पारित संकल्प उन्हें भेजा गया था;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया है ?

रेल मंत्रालय एवं संसदीय कार्य विभाग में उर मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) और (ख). जी हां ।

(ग) और (घ). सरकार की नीति के अनुसार किसी भी स्रोत से प्राप्त कर्मचारियों के अभ्यावेदनों पर यथोचित विचार किया जाता है और प्रत्येक मामले के गुण-दोष के आधार पर जो कार्रवाई आवश्यक समझी जाती है, वह की जाती है । प्रश्नगत संकल्प कतिपय स्थानीय मामलों के अलावा मेरीन कर्मचारियों के वेतनमान, विशेष वेतन, वर्दी, पदोन्नति की सम्भावनाओं आदि जैसी कतिपय सेवा की सामान्य शर्तों से सम्बन्धित है । पूर्वोत्तर रेल प्रशासन स्थानीय समस्याओं के सम्बन्ध में यथावश्यक कार्रवाई कर रहा है । ग्राम समस्याओं पर सामान्यतया मान्यता-प्राप्त श्रमिक संघों और प्रशासन द्वारा बैठक आयोजित करके विचार-विमर्श किया जाता है और लिये गये निर्णयों के आधार पर कार्रवाई की जाती है । ऐसा करते समय सरकार की वित्तीय एवं अन्य कठिनाईयों को ध्यान में रखा जाता है ।